संवाद पत्र पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन

अंक : 22 वर्ष : छठा मालीगांव, गुवाहाटी - 11 त्रैमासिक अप्रैल, 2012

न्यू जलपाईगुड़ी-अलीपुरद्वार जंक्शन इंटरसिटी एक्सप्रेस गाड़ी का शुभारंभ

शुभारंभ समारोह का दृश्य

माननीया मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल और माननीय रेलमंत्री ने दिनांक 11-02-2012 को न्यू मैनागुड़ी-जोगीघोपा नई लाइन परियोजना के हाल ही में पूरे किए गए न्यू कूचबिहार-गोलकगंज सेक्शन होकर धुबड़ी तक न्यू जलपाईगुड़ी-अलीपुरद्वार जंक्शन इंटरसिटी एक्सप्रेस गाड़ी के विस्तार को झंडी दिखाकर रवाना किया।

श्री राधे श्याम, महाप्रबंधक, सी.एल.डब्ल्यू. ने पू.सी.रेल/निर्माण का दोहरा कार्यभार ग्रहण किया।

श्री राधे श्याम, महाप्रबंधक, चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स ने दिनांक 10.03.2012 (अपराह्न) को महाप्रबंधक/निर्माण का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया। महाप्रबंधक के पद पर पदोन्नति से पहले श्री राधे श्याम इस निर्माण संगठन में पिछले 5 वर्षों से कार्यरत थे और 26.12.2011 को महाप्रबंधक/सी.एल.डब्ल्यू के पद पर पदोन्नति पर स्थानांतरण हुए थे।

गणतंत्र दिवस समारोह

गणतंत्र दिवस समारोह में श्री केशव चन्द्रा, तत्कालीन महाप्रबंधक/नि

राष्ट्र के 63वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर श्री केशव चन्द्रा, महाप्रबंधक, पू.सी. रेल तथा पू.सी.रेल/निर्माण ने पू.सी. रेल, मुख्यालय परिसर में "राष्ट्रीय झंडा" फहराया और सलामी दी। इस समारोह में पू.सी. रेल तथा पू.सी.रेल/निर्माण के अधिकारी/कर्मचारी तथा उनके परिजन उपस्थित हुए और उन्हें इस अवसर पर महाप्रबंधक ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में महाप्रबंधक ने कहा कि जोखिम भरी विपरीत परिस्थितियों में भी हमारे हर स्तर के रेल कर्मियों ने अपने मनोबल को ऊँचा रखते हुए सभी क्षेत्रों में बेहतर कार्य निष्पादन द्वारा दिन दूनी और रात चौगुनी प्रगति की है। पू.सी. रेल हमेशा से ही पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास तथा प्रगति के लिए प्रतिबद्ध रहा है। इस क्षेत्र के विकास तथा बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए रेलवे नेटवर्क का विस्तार आवश्यक है। निर्माण संगठन द्वारा निष्पादित 11 राष्ट्रीय परियोजनाएँ प्रगति पर हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी परियोजनाएँ अपने निर्धारित समय में पूरी हो जाएँगी। तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को पहले ही पूरा कर लिया है। इनमें 58 कि.मी. लंबी न्यू कूचबिहार से गोलकगंज नई लाइन, 110 कि.मी. लंबा सिलीगुड़ी से अलूआबाड़ी रोड तक आमान परिवर्तन तथा 35 कि.मी. लंबा कटिहार से मनिहारी तक आमान परिवर्तन शामिल हैं। उन्होंने निर्माण संगठन की पूरी टीम को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि रंगिया-रंगापाड़ा-मुर्कांगसेलेक आमान परिवर्तन, बोगीबिल में ब्रह्मपुत्र पर रेल-सह-सड़क पुल, न्यू जलपाईगुड़ी में रेल ऐक्सल फैक्ट्री सहित अन्य परियोजनाएँ भी इस क्षेत्र के लिए घोषित की गई हैं।

संरक्षक	मुख्य संपादक	संपादक	सहयोग
श्री राधे श्याम	श्री सुभाष चन्द्र रजक	श्री जगन्नाथ	श्रीमती रंजु झा
महाप्रबंधक/निर्माण	मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि	उप महाप्रबंधक/राजभाषा/नि	राजभाषा अधिकारी/नि

होली मिलन समारोह

होली मिलन समारोह का एक दृश्य

होली के अवसर पर दिनांक 8 मार्च, 2012 को पूर्वोत्तर सीमा रेल तथा पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण के महाप्रबंधक श्री केशव चंद्रा ने अपने सरकारी आवास पर अधिकारियों को उनके परिवारों सहित आमंत्रित किया और रंगों का त्यौहार मनाया। इसके पश्चात सभी अधिकारियों और उनके परिवारों सहित महाप्रबंधक ने अधिकारी क्लब "लुइट हाउस" में भी होली पर्व का आनन्द लिया। यह होली मिलन बहुत ही सौहार्दपूर्ण सम्पन्न हुआ।

कोलकाता में समीक्षा बैठक

माननीय रेलमंत्री ने रेलवे बोर्ड के अधिकारियों सहित दिनांक 27-01-2012 को कोलकाता में वर्ष 2011-12 की सभी लक्षित परियोजनाओं की प्रगति तथा पश्चिम बंगाल में चल रही सभी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने के लिए बैठक की।

माननीय राजस्व मंत्री तथा माननीय परिवहन मंत्री, त्रिपुरा के साथ बैठक

माननीय राजस्व मंत्री तथा माननीय परिवहन मंत्री, त्रिपुरा सरकार ने दिनांक 13.02.2012 को अगरतला में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण-2 के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें मीटर गेज से ब्रॉड गेज में परिवर्तन (लामर्डिंग से कुमारघाट और कुमारघाट से अगरतला), अगरतला से सबरूम रेल लाइन और अगरतला-अखुरा रेल लिंक के विस्तार जैसे मामलों की समीक्षा विस्तारपूर्वक की गई।

महाप्रबंधकों का सम्मेलन

दिनांक 11/12-01-2012 को दिल्ली में आयोजित महाप्रबंधकों के सम्मेलन में महाप्रबंधक/निर्माण ने भाग लिया। पूर्वोत्तर सीमा रेल,निर्माण संगठन के वर्ष 2011-2012 की लक्षित परियोजनाओं के संबंध में इस सम्मेलन में प्राप्त अनुदेशों/निदेशों के कार्यान्वयन के लिए अनुवर्ती कार्रवाई शुरू की जा चुकी है।

पूर्वोत्तर सीमा रेल का सांस्कृतिक मिलन समारोह

14 जनवरी, 2012 को पूर्वोत्तर सीमा रेल के अधिकारी क्लब, लुइट हॉउस में एक मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मकर संक्रांति के अवसर पर परंपरागत तरीके से बिहु, लोहड़ी तथा पोंगल आदि उत्सव एक साथ मनाए गए। इस कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों ने सपरिवार भाग लेकर इस कार्यक्रम को भव्य रूप प्रदान किया। इस सांस्कृतिक मिलन की एक विशेषता यह रही कि इसमें विभिन्न क्षेत्रों के भिन्न-भिन्न उत्सवों को एक साथ उनकी परंपरा के अनुसार मनाया गया और उनकी रीति-रिवाज के अनुसार खान-पान और प्रसाद स्वरूप विभिन्न मिष्ठान और पदार्थ रखे गए। इस समारोह में पंजाब का भंगड़ा, असम का बिहु नृत्य का अच्छा प्रदर्शन किया गया तथा साथ में लोहड़ी और मेजी भी जलाई गई।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में श्री राधे श्याम, महाप्रबंधक/निर्माण के साथ संगठन के वरिष्ठ अधिकारीगण।

दिसम्बर, 2011 को समाप्त तिमाही के लिए इस वर्ष की पहली बैठक का आयोजन महाप्रबंधक/निर्माण, पूर्वोत्तर सीमा रेल का अतिरिक्त कार्यभार देख रहे सी.एल.डब्ल्यू. के महाप्रबंधक, श्री राधे श्याम की अध्यक्षता में दिनांक 26.03.2012 को किया गया। बैठक में राजभाषा के प्रचार-प्रसार से संबंधित विभिन्न मदों पर विचार-विमर्श किया गया और वर्ष 2011-12 के वार्षिक कार्यक्रम पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। बैठक का संचालन श्री एस.सी. रजक, मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि ने किया और श्री जगन्नाथ, उप महाप्रबंधक (राजभाषा)/निर्माण ने निर्माण संगठन की तिमाही प्रगति रिपोर्ट पावर प्वाइंट में प्रस्तुत की।

आप कठिनाईयों, खतरों और असफलताओं के भय से बचने का प्रयत्न मत कीजिए। वे तो निश्चित रूप से आपके मार्ग में आनी ही हैं।

-लोकमान्य बालगंगाधर तिलक

उप महाप्रबंधक(राजभाषा)/निर्माण को सेवानिवृत्ति पर भाव-भीनी विदाई

श्री जगन्नाथ, उप महाप्रबंधक (राजभाषा)/निर्माण लगभग 34 वर्षों की सेवा पूरी करने के बाद दिनांक 30.03.2012 को सेवानिवृत्त हुए। उनकी सेवानिवृत्ति पर राजभाषा विभाग/निर्माण ने उन्हें भाव-भीनी विदाई दी। निर्माण संगठन में 2009 में पहली बार बने उप महाप्रबंधक (राजभाषा) के पद पर आपकी नियुक्ति दिनांक 01.12.2009 को हुई। इससे पहले आप पश्चिम रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे तथा प्रतिनियुक्ति पर राइट्स लिमिटेड, गुड़गांव में कार्यरत रहे। आप 1997 में वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी (सीनियर स्केल) ग्रुप ए, नियमित अधिकारी के रूप में रेलवे में नियुक्त हुए तथा 26.9.2007 से जे ए ग्रेड अधिकारी नियुक्त हुए। रेलवे में आने से पहले आपने हरियाणा शिक्षा विभाग, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग तथा भारतीय सेना के दो कमान मुख्यालयों में विभिन्न पदों पर कार्य किया।

आपके कार्यकाल में इस संगठन ने राजभाषा के क्षेत्र में कई उपलब्धियाँ हासिल की हैं। अब तक आपने "संवाद पत्र" के 10 अंकों का संपादन बखूबी किया और इसे रोचक और पठनीय बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। आप इसके संपादक के साथ-साथ नियमित लेखक भी रहे हैं। आपकी रचनाओं को पाठकगण ने काफी सराहा है। आपके बहुमूल्य सुझाव एवं मार्गदर्शन में इस पत्रिका ने संपादन और उत्कृष्टता के नए मुकाम हासिल किए हैं, जिसके फलस्वरूप पाठकों के प्रशंसा-पत्र भी प्राप्त होते रहे हैं। आशा है आपकी रचनाएं, मार्गदर्शन व सहयोग बाद में भी मिलता रहेगा।

आप कर्मठ, कर्त्तव्यनिष्ठ तथा मिलनसार व्यक्तित्व के धनी रहे हैं और हमारे मनोबल तथा कार्यशैली को उन्नत करने के प्रेरणास्रोत रहे हैं। राजभाषा विभाग आपके सुखद सेवानिवृत्त जीवन व पारिवारिक समृद्धि की कामना करता है।

समाज में परिवर्तन लाने वाली केवल तीन शक्तियां हैं- माता, पिता और शिक्षक।

देश के बच्चों और किशोरों को बड़े लक्ष्यों से जोड़ना होगा उन्हें छोटे लक्ष्यों तक सीमित रखना अपराध है।

-एपीजे अब्दुल कलाम

स्थानांतरण

श्री सुभाष चंद्रा, उप मुख्य बिजली इंजीनियर/निर्माण का दिनांक 06.01.2012 को उत्तर मध्य रेलवे, (इलाहाबाद) पर स्थानांतरण हुआ।

श्री टी.पी.आर. नारायण राव, मुख्य इंजीनियर/निर्माण/मुख्यालय का दिनांक 28.02.2012 को दक्षिण पश्चिम रेलवे (हुबली) पर स्थानांतरण हुआ।

श्री जे.के. चौधरी, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/सामान्य-2 का दिनांक 27.3.2012 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/सिलचर-4 के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री आर.के. दास, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/सिलचर-3 का दिनांक 27.3.2012 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/सामान्य-2 के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री अनुप कुमार दास, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/सिलचर-4 का दिनांक 27.3.2012 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/लामडिंग-1 के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री प्रद्युत कुमार दास, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/लामडिंग-1 का दिनांक 27.3.2012 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/ सिलचर-2 के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री अनिल कुमार, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/सिलचर-2 का दिनांक 27.3.2012 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/सामान्य/मालीगांव के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री अशोक कुमार, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/सामान्य/मालीगांव का दिनांक 27.3.2012 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/सिलचर-3 के पद पर स्थानांतरण हुआ।

रेलवे बोर्ड का व्यक्तिगत नकद पुरस्कार (वर्ष 2010)

श्री दीपक विश्वास

श्री देवेश्वर शर्मा

रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित तथा प्रोत्साहित करने के प्रयोजन से रेलों पर लागू व्यक्तिगत नकद पुरस्कार योजना के अंतर्गत निर्माण संगठन के श्री दीपक विश्वास, सहायक वित्त सलाहकार/नि तथा श्री देवेश्वर शर्मा, वरिष्ठ लिपिक/नि/बिजली को रेलवे बोर्ड द्वारा नामित किया गया है। निर्माण संगठन उनके इस उपलब्धि पर हार्दिक शुभकामना देता है।

राष्ट्रीय परियोजनाएं

जिरिबाम से तुपुल तक नई बी जी लाइन (98 कि.मी.)

तुपुल-इंफाल सेक्शन में फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य पूरा कर लिया गया है और रेलवे बोर्ड में भेजने हेतु विस्तृत प्राक्कलन अंतिम चरण में है। 1160.56 हेक्टेयर भूमि में से 654.462 हेक्टेयर भू-अधिग्रहण, 439.61 लाख क्यूबिक मीटर में से 220.52 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य, 84.0 कि.मी में से 7.40 कि.मी फार्मेशन, 89 में से 34 छोटे पुल, 5 में से 5 आर.ओ.बी./आर.यू.बी तथा 37623 मीटर में से 978.00 मीटर सुरंगीकरण का कार्य अब तक पूरा किया गया।

बोगीबिल के निकट ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी एवं दक्षिणी तटों पर लिंक लाइनों सहित रेल-सह-सड़क पुल :

पुल के उत्तरी तट पर तटबन्ध, छोटे एवं बड़े पुलों तथा स्टेशन निर्माण कार्य पूरा किया गया और पुल के दक्षिण तट पर कार्य प्रगति पर हैं। वन क्षेत्र में आने वाले साऊथ डाइक के 3 कि. मी. को छोड़कर उत्तरी एवं दक्षिणी डाइकों का उत्थान एवं मजबूतीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है। शेष 3 कि. मी. के लिए भी ठेका दे दिया गया तथा कार्य प्रगति पर है। बोगीबिल रेल सह सड़क मुख्य पुल अधिसंरचना के लिए मेसर्स एचसीडी-बीएनआर को दिनांक 23.11.11 को ठेका दिया जा चुका है।

तेतेलिया से बरनीहाट तक नई बीजी लाइन (21. 50 कि. मी.) (आजरा-बरनीहाट नई लाइन का वैकल्पिक संरेखण)

तेतेलिया से बरनीहाट तक फाइनल लोकेशन सर्वे पूरा किया जा चुका है। रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 05-08-10 को कुल 384.04 करोड़ रूपए का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत किया जा चुका है। सभी 12 भू-अधिग्रहण मामलों के लिए अधिसूचना जारी की गई। 8 मामलों में भू-अर्जन प्राक्कलन अनुमोदित की जा चुकी है। सभी 12 मामलों में सरकारी जमीन प्राप्त की जा चुकी है। मेघालय भाग के लिए सेक्शन 4 (1) के अधीन अधिसूचना जारी की गई।

दिमापुर से जुब्जा (कोहिमा)तक नई लाइन (88 कि.मी.)

जमीन पर संरेखण के स्टैकिंग सहित दिमापुर से कोहिमा 125 कि.मी. तक संपूर्ण लम्बाई के लिए एफ एल एस पूरा किया जा चुका है। भू-तकनीकी जाँच प्रगति पर है। रेलवे बोर्ड ने मई, 10 में इस कार्य को आर वी एन एल को सौंपने का निर्णय लिया था। यद्यपि अब तक आर वी एन एल द्वारा कार्य निष्पादन हेतु कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है। रेलवे बोर्ड के दिनांक 15-04-11 के पत्र के तहत पुन: यह निर्णय लिया गया कि पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण द्वारा परियोजना निष्पादित की जाएगी। अब तक 45.0 कि.मी. भू-तकनीकी कार्य पूरा किया गया।

अगरतला से सबरूम तक नई बीजी लाइन (110 कि.मी.)

अगरतला से सबरूम तक सम्पूर्ण लम्बाई के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य तथा भूमि पर संरेखण की स्टेकिंग का कार्य पूरा किया गया। भू-तकनीकी जाँच भी पूरी कर ली गई है। दिनांक 29.07.09 को रेलवे बोर्ड ने अगरतला से उदयपुर तक 44 कि. मी. के लिए कुल 352.95 करोड़ रूपये का आंशिक विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत कर दिया है। उदयपुर से सबरूम तक शेष 66.0 कि.मी. सेक्शन के लिए कुल 777.67 करोड़ रूपए का पार्ट-III विस्तृत प्राक्कलन भी रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 23-11-2010 को स्वीकृत किया जा चुका है। त्रिपुरा सरकार को भू-अधिग्रहण हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किए जा रहे हैं। कुल 6 प्रस्तावों में से 1 सेक्शन 4 (1) के अधीन, 1 सेक्शन 6 (1) के अधीन प्रकाशित किए गए तथा अन्य 4 प्रस्तावों को शीघ्र अधिसूचित करने की संभावना है। उदयपुर-सबरूम सेक्शन हेतु निविदा प्रक्रियाधीन है।

मैरवी से सैरंग (51.38 कि.मी.) तक नई बड़ी लाइन

मैरवी-सैरंग (51.38 कि.मी.) नई बीजी लाइन हेतु फाइनल लोकेशन सर्वे पूरा किया जा चुका है। कि.मी. 0.575 से कि.मी. 42.247 तक भू-अधिग्रहण की धारा 4 के अधीन गजट अधिसूचना प्रकाशित की गई। उपायुक्त/आइजोल ने भू-अधिग्रहण प्रस्ताव सचिव, राजस्व, मिजोरम सरकार को दिनांक 01-08-2011 को सुपुर्द कर दिया। रेलवे बोर्ड ने दिनांक 01-09-2011 को कुल 2384.34 करोड़ रूपए का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत कर दिया है।

सेवक से रंगपो तक नई बड़ी लाइन: (50.87 कि.मी.)

पू. सी. रेल, निर्माण द्वारा सेवक-रंगपो का संशोधित संरेखण अनुमोदित कर दिया गया तथा सेवक यार्ड के संशोधित लोकेशन को भी अनुमोदित किया गया। रंगपो यार्ड की नव प्रस्तावित तथा प्रतिस्थापित लोकेशन को अनुमोदन हेतु सिक्किम सरकार को अग्रेषित किया गया है। कि.मी. 5 से 41.50 तक सर्वेक्षण हेतु वन विभाग से अनुमति प्राप्त की जा चुकी है। सुरंग संख्या 2 से सुरंग संख्या 6 तथा महत्वपूर्ण पुलों सहित सेवक से तिस्ता पुल (18.50 कि. मी.) के बीच भू-तकनीकी जाँच हेतु निविदा को अंतिम रूप दिया गया तथा कार्य प्रगति पर है। इरकॉन द्वारा दिनांक 16-07-10 को संरेखण अभिकल्प एवं भू-वैज्ञानिक मानचित्रण के लिए ठेका प्रदान किया जा चुका है।

बरनीहाट से शिलांग तक नई बीजी लाइन (108.4 कि.मी.)

यह नया कार्य 4083.02 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत पर 2010-11 के रेल बजट में सम्मिलित किया गया है। बरनीहाट-शिलांग नई लाइन परियोजना के अंतर्गत बरनीहाट से लईलाड सेक्शन (19.10 कि.मी.) के लिए कुल 880.95 करोड़ रूपए का पार्ट-II विस्तृत प्राक्कलन रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 13-04-2011 को स्वीकृत किया गया। खासी स्टूडेंट यूनियन ने राज्य सरकार के साथ अपने लम्बित मामलों के कारण नवंबर, 2010 से एफ एल एस कार्य को जबर्दस्ती रूकवा दिया है। मामले की जानकारी राज्य सरकार को दे दी गई है। शिलांग में दिनांक 17-09-2011 को रेल परियोजनाओं की मॉनिटरिंग तथा समीक्षा के लिए नय- गठित टॉस्क फोर्स के साथ भू-अधिग्रहण मामले के निपटान के लिए बैठक हुई। भू-अधिग्रहण तथा एफ एल एस का मामला अभी भी सुलझा नहीं है।

लमडिंग-सिलचर-जिरिबाम, बदरपुर से बरईग्राम और बरईग्राम-कुमारघाट आमान परिवर्तन (367.79 कि.मी.)

लमडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत एक नव-निर्मित सुरंग सं. 3 (535.0 मी.) और बोइला नदी पर एक बड़े पुल सं.102 सहित 1.46 कि.मी. लम्बी स्थायी विपथन जिसे पहले ही चालू किया जा चुका था, इस माह ओपन लाइन को सुपुर्द कर दिया गया। परियोजना के अंतर्गत सालछापरा और अरूणाचल स्टेशनों के बीच पुल संख्या 26 से होकर कि.मी. 16/2-3 से कि.मी. 17/5-6 तक लगभग 1.294 कि. मी. लम्बे हाल ही में जोड़े गए स्थायी विपथन को सी आर एस निरीक्षण और उनके अनुमोदन उपरांत दिनांक 05-06-2011 को चालू कर दिया गया।

लिंक फिंगर्स सहित रंगिया-मुर्कोंगसेलेक आमान परिवर्तन (510.33 कि.मी.)

10 स्टेशनों के स्टेशन भवन और आर बी जी कक्षों का निर्माण कार्य पूरा किया गया। 3 पुलों (45.72 मी. के 13 स्पॉन) एवं एक पुल (30.50 मीटर के 4 स्पॉन) के स्टील गर्डरों के फेब्रीकेशन के लिए कार्य आदेश साबरमती रेलवे वर्कशॉप को दे दिया गया है और फेब्रीकेशन प्रगति पर है।

वित्तीय निष्पादन

2010-2011 में निष्पादन

- खर्च = 2223.22 करोड़ रूपये

2011-2012 का परिव्यय

- मांग - 16 = 2179.33 करोड़ रूपये
- निक्षेप कार्य (रक्षा मंत्रालय) = 0.09 करोड़ रूपये

कुल = 2179.42 करोड़ रूपये

2011-2012 का खर्च

- मार्च, 12 के दौरान खर्च (लगभग) = 285.33 करोड़ रूपये
  + 0.00 करोड़ रूपये (निक्षेप कार्य)

कुल = 285.33 करोड़ रूपये

- मार्च, 12 तक संचयी खर्च (लगभग) =2234.35 करोड़ रूपये
  + 0.00 करोड़ रूपये (निक्षेप कार्य)

कुल =2234.35 करोड़ रूपये

- परिव्यय का खर्च (%) = 102.52 %

सिगनल एवं दूरसंचार निर्माण कार्य

कार्य	प्रगति	लक्ष्य
♦ पानीटोला-डिब्रूगढ़ टाउन: स्टन्डर्ड III पैनल इन्टरलॉकिंग तथा एम.ए.सी.एल. द्वारा सिगनलों का अपग्रेडशन (राजधानी मार्ग, 5 स्टेशन)	पानीटोला से लाहोअल तक 4 स्टेशनों पर कार्य शुरू किया। डिब्रूगढ़ टाउन में पी.आई कार्य दिनांक 16.12.2010 को चालू किया गया।	कार्य पूरा हुआ।
♦ न्यूजलपाईगुड़ी - बारसोई - मालदा टाउन व बारसोई - कटिहार मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्युनिकेशन	कटिहार मंडल तथा अलीपुरद्वार मंडल के 'वे साइड सिस्टम' क्रमश: दिनांक 26.05.10 तथा 9.6.10 को ओपन लाइन को सौंप दिए गए।	कार्य पूरा हुआ।
♦ न्यू जलपाईगुड़ी-बंगाईगांव-गुवाहाटी : मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्युनिकेशन	पू.सी.रेल, मालीगांव का मोबाइल स्विचिंग केंद्र तथा रंगिया मंडल का 'वे साइड सिस्टम' देख-रेख हेतु क्रमश: 25.03.10 तथा 30.03.10 को ओपन लाइन को सौंप दिया गया।	कार्य पूरा करके तिनसुकिया मंडल को सौंपा गया।

वर्कशॉप

कार्य	प्रगति	लक्ष्य
♦ किशनगंज- ट्रेन परीक्षण सुविधा का विकास	90%	निधि की अनुपलब्धता तथा साइट क्लियरेंस के कारण कार्य बंद पड़ा है।
♦ न्यू बंगाईगांव-वर्कशाप आरसीसी बाउंडरी वॉल	73%	3500 आरएम में से 2400 आरएम तक तथा 2.40 किमी पथ-वे में से 2.4 मीटर पथ-वे कार्य पूरा हुआ। दिनांक 7.6.10 से कार्य बंद है। आर एंड सी कार्य प्रगति पर है।
♦ सिलिगुड़ी जंक्शन डीज़ल शेड-100 लोकोमेटिव को रखने के लिए डीज़ल लोकोशेड का विस्तार	87%	31.08.2011 कार्य प्रगति पर है।
♦ सिलिगुड़ी जंक्शन-डीज़ल बहुउद्देशीय यूनिट कारशेड के साथ रेल कार रख-रखाव की सुविधा	100%	31.3.11 कार्य पूरा हुआ और चालू किया गया।

वर्ष 2011-12 के लक्षित कार्य

- मैनागुड़ी रोड से न्यू चेंगराबांधा नई लाइन
- हारमुती से नाहरलागुन नई लाइन
- रंगिया से रंगापाड़ा नॉर्थ आमान परिवर्तन
- न्यूमाल जंक्शन से मैनागुड़ी रोड आमान परिवर्तन

पूरे किए गए सर्वेक्षण

क्रम सं	सर्वेक्षण का नाम	स्वीकृति वर्ष	राज्य	प्रगति	पूरा करने की लक्ष्य तिथि
1.	पासीघाट-तेजु-परसुरामकुंड तक नई लाइन	2010-11	असम तथा अरूणाचल प्रदेश	100%	मार्च, 2012
2.	मिसामारी-तवांग तक नई लाइन	2010-11	असम तथा अरूणाचल प्रदेश	100%	मार्च, 2012
3.	न्यू बंगाईगांव-रंगिया-कामाख्या (दोहरीकरण)	2011-12	असम	100%	जनवरी, 2012
4.	न्यू बंगाईगांव से ग्वालपाड़ा होके कामाख्या	2011-12	असम	100%	मार्च, 2012
5.	सिलघाट से तेजपुर	2011-12	असम	100%	मार्च, 2012

बधाई

अधिकारियों को जन्म दिन पर हार्दिक बधाई

01 अप्रैल, विश्वजीत राय, उप मु. सि.व दू.सं.इंजी./नि/मालीगांव-1
13 अप्रैल, श्री मोहन लाल, मुख्य इंजीनियर/नि/7
20 अप्रैल, श्री पी.के. दास, उप मुख्य इंजीनियर/नि/लामडिंग-1
22 अप्रैल, श्री सौरभ गुप्ता, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलचर-1
06 मई, श्री रवीन्द्र राम, मुख्य इंजीनियर/नि/4
20 मई, श्री सत्य प्रकाश यादव, उप मुख्य इंजीनियर/नि/मालीगांव
27, मई, श्री एफ.डेनियल, उप वि.स. एवं मुलेधि/नि-1/मालीगांव
29 मई, श्री पी.के. सिंह, उप मुख्य इंजीनियर/नि/अगरतला-2
01 जून, श्री राजवीर, उप मुख्य इंजीनियर/नि/अगरतला-1
03 जून, श्री अजय प्रधान, उप मुख्य इंजीनियर/नि/लामडिंग-2
05 जून, श्री पवन कुमार, उप मुख्य सि.व दू.सं. इंजी./नि/एनजेपी
15 जून, श्री जी.काबुई, उप वि.स. एवं मुलेधि/नि-3/मालीगांव
15 जून, श्री जी.काबुई, उप वि.स. एवं मुलेधि/नि-3/मालीगांव
25 जून, श्री पी.के. कलरवाल, उप मुख्य सि.व.दू.सं.इंजी./नि

स्वागत

श्री बाबूलाल सोलंकी ने दिनांक 17.02.2012 को मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/निर्माण-2 का पदभार ग्रहण किया। इससे पहले वे मुम्बई रेलवे विकास कारपोरेशन लिमिटेड में कार्यरत थे।

श्री पी. शिवराम प्रसाद ने दिनांक 06.03.2012 को वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/नि-1 का पदभार ग्रहण किया।

श्री आर.के. गुप्ता दिनांक 06.01.2012 को उप मुख्य बिजली इंजीनियर/निर्माण के पद पर पदस्थापित हुए।

सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों का विदाई समारोह

निर्माण संगठन में फरवरी तथा मार्च, 2012 में सेवानिवृत्त हुए निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किए गए। इन अधिकारियों/कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति के भुगतान संबंधी चैक तथा स्वर्ण जड़ित चांदी के पदक प्रदान किए गए। निर्माण संगठन, सेवानिवृत्त हुए इन सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके सुखद सेवानिवृत्त जीवन व पारिवारिक समृद्धि की कामना करता है।

क्रमांक	नाम	पदनाम	कार्यालय/विभाग	सेवानिवृत्ति माह
1.	श्री जगन्नाथ	उप महाप्रबंधक (राजभाषा) /नि	महाप्रबंधक/नि/मालीगांव	मार्च,2012
2.	श्री आर.सी. राजवंशी	व.लिपिक/नि	उप मु.इंजी/नि/मालीगांव	मार्च,2012
3.	श्री दीपक दास	क.लिपिक/नि	उप मुंजी/नि/योजना/मालीगांव	मार्च,2012
4.	श्री के.देवनाथ	व.ट्रैकमैन/नि	उपमुंजी/नि/सामान्य/मालीगांव	मार्च,2012
5.	श्री मो:मफिज़ अली	व.ट्रैकमैन/नि	उपमुंजी/नि/सिलापथार/मालीगांव	मार्च,2012

भारतीय रेल आरती

जय जय लौहपथ गामिनि
जय जय भारतीय रेल,
दो पटरी पर आसन तेरा
तेरे रूप और नाम अनेक,
जय जय भारतीय रेल.

जन हितकारी, पालनहारी
करती तू सबका कल्याण,
प्रेम बढ़ाती मेल कराती
देती त्रिभाषा का ज्ञान,
जय जय भारतीय रेल.

भारत माँ की प्रतीक बनकर
धर विकराल रूप तू चलती,
सरपट दौड़ती, धरती हिलाती
तू नागिन-सी लगती,
जय जय भारतीय रेल.

छोटे-बड़े नदी सेतु
तेरे चरण स्पर्श करें,
आस-पास पर्वत-मालाएं
तुझको नमन करें,
जय जय भारतीय रेल.

जगह जगह तेरे मंदिर
यात्री प्रेम सहित आवें,
मनोकामना पूरी करती
अपनी मंजिल वे पावें,
जय जय भारतीय रेल.

तू विकास की जननी
एकता की है मिसाल,
तू भारत की जीवन-रेखा
तेरा तंत्र है बहुत विशाल,
जय जय भारतीय रेल.

रेल कर्मी नित करें सेवा
कुलीजन ध्यान धरें,
व्यापारी नित करें प्रार्थना
यात्रीगण जाप करें,
जय जय भारतीय रेल.

भारतीय रेल की आरती
जो सच्चे मन से गावें,
सुखद यात्रा पूरी करके
मनोवांछित फल पावें,
जय जय भारतीय रेल

-जगन्नाथ
उप महाप्रबंधक (राजभाषा)
पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण)

मेरी अभिलाषा

मेरी है एक ही अभिलाषा
बनूँ मैं एक बड़ी डॉक्टर,
करूँ उन लोगों की सेवा
बीमारी से जो दुःख भोग रहे हैं,
जिन्हें देखने वाला दुनिया में
अपना-पराया कोई नहीं है।

करूँगी मैं उनकी देखभाल
नहीं रहने दूंगी उनको बेहाल,
अच्छी तरह दूंगी उन्हें दवाई
नहीं करूंगी मोटी कमाई,
कभी न लूंगी उनसे फीस
होने न दूंगी उन्हें कोई टीस।

ईमानदारी से करती रहूँगी
मैं अपना यह नेक काम,
निभाऊंगी मैं अपना दायित्व
करूंगी पूरे अपने अरमान,
ईश्वर रहा अगर मेहरबान
बढ़ाऊंगी मैं देश का सम्मान।

अपर्णा दहाल कक्षा : VIII
(पुत्री श्री कमल दहाल, खालासी/नि)

काजीरंगा नेशनल पार्क का इतिहास

ऐसा कहा जाता है कि प्राचीन आहोम राजा के समय असम के एक गांव में रंगाई नाम का एक व्यक्ति हुआ करता था। उनकी बेटी कपड़ों की बुनाई में काफी रूचि रखती थी। उन दिनों यह नियम था कि जो व्यक्ति युद्ध में जाएगा वह उन कपड़ों को पहनेगा जो केवल एक ही रात में बुने गए हों। इन्हीं को "कवच" कहते हैं। रंगाई की बेटी ने भी एक ही रात में कपड़ा बुनके दिया। जो कपड़ा बुनने में माहिर होते थे उनको काजी बोलते थे। आहोम राजा को एक ही रात में बुना हुआ कपड़ा देखकर बहुत अच्छा लगा तथा रंगाई की काजी बेटी एवं पिता का रंगाई नाम मिलाकर उस गांव का नाम काजीरंगा रखा गया। आज वही काजीरंगा वन्यप्राणी हेतु देशभर में प्रसिद्ध है।

काजीरंगा नेशनल पार्क भारतवर्ष के असम राज्य के गोलाघाट तथा नगांव जिलें में फैला है। पार्क की स्थापना 1974 के फरवरी महीने में हुई थी तथा उस समय पार्क का क्षेत्रफल 429.93 वर्ग किलोमीटर था। बाद में इसमें कई बार नया क्षेत्र जोड़ा गया। यह पार्क गुवाहाटी से 217 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अंग्रेजी शासनकाल में वायसराय लार्ड कर्जन की पत्नी लेडी कर्जन ने वर्ष 1904 में पहली बार काजीरंगा का भ्रमण किया। प्रकृति प्रेमी लेडी कर्जन ने अपने पति लार्ड कर्जन को कह कर काजीरंगा के जंगलों को सुरक्षित इलाका घोषित करवाया और यहाँ के वन्य जीवों की सुरक्षा सुनिश्चित कराई। ब्रिटिश सरकार ने 3 जनवरी, 1908 को काजीरंगा को सुरक्षित अरण्य घोषित करके शिकार करने पर पाबंदी लगा दी। वन्यप्राणियों की शरणस्थली काजीरंगा का इतिहास भी दिलचस्प है। काजीरंगा का एक सींग वाला भारतीय गैंडा असम राज्य की अमूल्य धरोहर है। काजीरंगा नेशनल पार्क नवंबर से अप्रैल के बीच खुला रहता है। काजीरंगा नेशनल पार्क में प्रवेश के लिए प्रवेश-शुल्क लगती है।

काजीरंगा में वन्य जीवों के लिए अनुकूल वातावरण है, इसी वजह से यहाँ प्रतिवर्ष वन्य प्राणियों की वृद्धि होती जा रही है। गैंडे, विभिन्न प्रकार के हिरणों के झुंड, हजारों देशी-विदेशी चिड़ियाँ देखने को मिलती हैं। विश्वभर से प्रतिवर्ष यहाँ लाखों सैलानी आते हैं और एक सींगवाले गैंडों को हरी घास खाते हुए देखकर अचंभित हुए बिना नहीं रहते। आमतौर पर हाथियों पर बैठकर सैलानी गैंडे को देखने जाते हैं। अपने जीवन काल में एक मादा गैंडा 8 से 10 बच्चों को जन्म देती है। पर्यटकों के रहने और खाने की सुविधा भी बहुत हैं। होटल, रिजर्ट, लॉज अब पहले से बहुत अधिक संख्या में उपलब्ध हैं।

काजीरंगा नेशनल पार्क के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-37 से भी पहुँचा जा सकता है। यह इस राजमार्ग के पश्चिम में गुवाहाटी से 220 कि.मी. तथा पूर्व में जोरहाट से 90 कि. मी. की दूरी पर है। काजीरंगा नेशनल पार्क के लिए इन दोनों नगरों से बस तथा टैक्सी जैसे साधनों की अच्छी सुविधा है। विदेशी पर्यटकों के लिए हवाई जहाज के अलावा ट्रेन की भी सुविधा है। ट्रेन से पंहुचने के लिए जोरहाट, गुवाहाटी और फरकाटिंग स्टेशन पर उतरना होता है। स्टेशन से काजीरंगा पार्क तक जाने के लिए एक-डेढ़ घंटा लगता है। नजदीकी हवाई अड्डा गुवाहाटी तथा जोरहाट हैं। पार्क के अंदर जाने के लिए दो प्रकार के साधन हैं। हाथी एवं जीप। पर्यटक अपनी पसंद से हाथी या जीप सफारी कर सकते हैं। लेकिन पर्यटकों को अपनी सवारी पहले ही बुकिंग करनी पड़ती है। पार्क के अंदर पैदल जाने की पाबंदी है क्योंकि जंगली जानवर हमला कर सकते हैं। सर्दी के मौसम में ऊनी कपड़े तथा गर्मी में हल्के सूती कपड़े पहनना अच्छा होता है। काजीरंगा नेशनल पार्क में विभिन्न प्रकार के वन्य प्राणियों को नजदीक से देखने के लिए हाथी की सफारी सबसे अच्छा साधन है। प्रातःकाल में हाथी की सफारी करने में मजा आता है। उस समय नाना प्रकार के वन्य प्राणी, चिड़िया, असम का एक सींगवाला गैंडा, जंगली भैंस, हिरण, खरगोश आदि बहुत ही नजदीक से देखने को मिलते हैं। वन्यप्राणियों के साथ गुजारे कुछ लम्हे अति स्मरणीय होते हैं। काजीरंगा में जीप की सफारी भी पर्यटकों के लिए सूर्य डूबने के पहले तक पूरे दिन के लिए उपलब्ध रहती है। खुली जीप में पर्यटक काजीरंगा के प्राकृतिक दृश्य, वन्य-हाथी का झुंड, हिरण मारते हुए बाघ तथा नाचते-गाते हुई विभिन्न प्रकार की चिड़िया देखने को मिलती हैं।

काजीरंगा नेशनल पार्क के मौसम में गर्मी, बरसात तथा सर्दी तीनों ऋतुओं का अनुभव होता है। नवंबर से फरवरी तक सर्दी का मौसम सुहावना तथा शुष्क रहता है। गर्मी का मौसम मार्च से मई तक गर्म रहता है और तापमान 37 डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच जाता है। वर्षा ऋतु जून से सितंबर तक चलती है। जुलाई और अगस्त के महीनों में ब्रह्मपुत्र का जलस्तर बढ़ने से पार्क का तीन-चौथाई पश्चिमी क्षेत्र पानी से भर जाता है। काजीरंगा नेशनल पार्क में जंगली जानवरों के साथ-साथ बहुत से देशी-विदेशी पेड़ तथा औषधि वाले पौधे भी हैं। मार्च महीने में पार्क में इकरा (घास) को जला देते हैं और बारिश आते ही नई इकरा उग आती है जिसे गैंडे और हिरण खाते हैं। नेशनल पार्क के विशाल क्षेत्र में इकरा घास बहुत ही मनमोहक लगती है। काजीरंगा में जनवरी महीने में हाथी मेला लगता है। तब विदेशी हाथी भी आते हैं। हस्ती मेला देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ लग जाती है। काजीरंगा नेशनल पार्क के पास में ही एक बहुत ही सुन्दर एथनिक विलेज (ETHINIC VILLAGE) बनाया गया है, जिसमें कार्बी सम्प्रदाय के लोगों की परम्पराओं एवं जीवन-शैली को दिखाया गया है। वहाँ उनके द्वारा बनाई गई बहुत सी सामग्री खरीदने को मिलती है । काजीरंगा नेशनल पार्क एक पर्यटन स्थल बन गया है जिसमें प्रतिवर्ष देश-विदेश से पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। इससे पर्यटन एवं होटल व्यवसाय में प्रगति हुई है तथा यातायात के साधनों में भी वृद्धि होने से असम के लोगों के लिए रोजगार भी बढ़ा हैं।

श्रीमती ममता तामुली
राजभाषा सहायक ग्रेड- I/निर्माण
मालीगांव, गुवाहाटी